गुजरात की राजधानी गांधीनगर में बडी धूमधाम से मनाया गया (35)वां वार्षिकोत्सव, (130) तपस्वी राजयोगी आत्माओंका सन्मान समारोह और गुजरात जोन डायरेक्टर सरलादीदीजीका अमृत महोत्सव

1 मार्च 2015 , रविवार को गौरववंती गुजरात की राजधानी गांधीनगर में सेक्टर-28 सेवाकेन्द्र के अनेकानेक अलौकिक यशकलगीओं से श्रृंगारीत इश्वरीय सेवाके (35) साल पूर्ण होने पर भव्यातिभव्य वार्षिकोत्सव, इस सेवास्थान पर से इश्वरीय सेवामें समर्पित हुअे (21) सौभाग्यशाली आत्माओ अेवम सेवाकेन्द्र के 15 साल पुराने (109) तपस्वीमुर्त राजयोगी भाइ-बहनों का सन्मान समारोह तथा गुजरात की सेवाओंको बीज में से वटवृक्ष तक (350) सेवाकेन्द्रो में वृध्धि करनेवाली आदरणीय सरलादीदीजी का अमृत महोत्सव भी मनाया गया ।

सुबह से ही जारी कमोसमी बारीस के बावजुद बाबा और कल्याणकारी ड्रामा पर पूर्ण विश्वास सह बुलंद होंसलो के साथ संस्थाकी संयुक्त मुख्य प्रशासिका आदरणीय रतनमोहिनी दादीजी का बारीस की ब्योछार में बेन्डवाजों के साथ भव्य स्वागत किया गया । आदरणीय दादीजी, तिलक, ताज, हार, चुन्नी से श्रृंगारीत सन्मानितों को अेक समारोह में मिले । दादीजी ने सबको बहुत बहलाया, संबोधित किया और अपने ही हाथों सौगात भेंट की,मधुवनकी टोलीसे मुख मिठा कराया, साथसाथ राजयोगीनी कैलाशदीदीजी ने सेक्टर-28 की ओर से, ब्र.कु.ताराबेन ने चिलोडा सेवाकेन्द्र की ओर से, ब्र.कु.रंजनबेन ने उर्जानगर सेवाकेन्द्र की ओर से तथा, ब्र.कु.भावनाबेन ने सेक्टर-2 सेवाकेन्द्र की ओर से भी सन्मानितों को सौगात भेंट की ।

शाम को पुनः सभी (130) सन्मानितों का तिलक ताज, हार और चुन्नी से श्रृंगार किया गया और बेन्डबाजों के गीतो के साथ 5,000 खुरशीयों के सभागृह में प्रवेश करते हुअे 80 फुट चौडा, 40 फुट लंबा और 20 फुट उंचाइ वाले भव्य स्टेज पर आसन ग्रहण कीया । ठीक उसी समय नियति सांस्कृतिक परिवार और स्वर गुर्जरी स्कूल, अमदावाद की बच्चीयों ने 45 मिनिट के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रममें नृत्य, दिपक नृत्य, राजस्थानी नृत्य, गृप डान्स, राधा-कृष्ण डान्स अेवम देश भक्ति नृत्य पेश करके सभी प्रेक्षको को आनंद से भरपूर दिया था । प्यारे शिवबाबा का आहवान सह इश्वरीय स्मृति के बाद महेमानो का पुष्पो,बेज,शापा, चुन्नी और नृत्य अेवम कैलाशदीदीजी के स्वागत प्रवचन से मंचासीन महानुभावों का अभिवादन किया गया ।

पर खडे करके दो हाथ जोडकर सरलादीदीका तथा अेक हाथ से कैलाशदीदीका अभिवादन करवाया । तीन भागमें हुअे समारोह के केन्डल लाइटींग में दादी रतनमोहिनीजी, संस्था के युरोप के डायरेकटर राजयोगीनी सुदेशदीदी, राजयोगीनी सरलादीदीजी, बी.के.करूणाभाइजी, बी.के.कैलाशदीदी, बी.के.चंद्रिकाबेन,आंबावाडी सेवाकेन्द्र के डायरेकटर बी.के.शारदाबेन, गांधीनगर के मेयरश्री, महेन्द्रसिंह राणा, गांधीनगर के धारासभ्यश्री, अशोकभाइ पटेल, दसाडा के धारासभ्यश्री,पुनमभाइ मकवाणा, महानगर पालिका के चेरमेरश्री, आशिषभाइ दवे, वसाहत महामंडळ के प्रमुखश्री अरूणभाइ बुच सामिल आदी महानुभाव अेवम कंइ सन्मानित भाइ बहनें भी सामिल हुअे ।केन्डल लसइटींग के साथ ही महानुभावों के हाथों से आकाश में गुब्बारें भी छोडे। बाद में दादीजी ने दिल को छुनेवाली वाणी से सभा को मुग्ध कर दीया, नया जोश नयी शक्ति भरते बहुत ही उमंग में ला दीया । फिर तीन भाग में केक कटींग की विधि में दादी, दीदी सहित मंचासीन महानुभाव अेवम सन्मानित भाइ बहनें सामिल हुअे। समारोह में मधुवन से बी.के.अतीषभाइ की अगवानी में खास पधारे हुअे मधु रवाणी ग्रुप ने भी प्रसंगोचित बढीया मनमोहक गीत प्रस्तुत किया ।

समारोह में (1)भ्राता अरुणभाइ बुच–प्रमुखश्री गांधीनगर शहेर वसाहत महामंडल, (2)डो.अनिलभाइ चौहाण–प्रमुखश्री, मेडीकल अेसोसीअेशन, (3)गांधीनगर,भगिनी लताबेन चोकसी–प्रमुखश्री, ज्योति महिला मंडळ, (4)गांधीनगर,भ्राता लालचंदभाइ गोपलाणी–प्रमुखश्री, सिंधी पंचायत, गांधीनगर, (5)भ्राता महेन्दभाइ पी भावसार–प्रमुखश्री, अेन्जीनीयरींग अेन्ड आर्किटेकट अेसोसीअेशन,(6)भ्राता प्रकाशभाइ पटेल–प्रमुख,बील्डर्स अेसोसीअेशन, गांधीनगर, (7)भ्राता बळदेवभाइ डी.चौधरी–प्रमुखश्री, जी.आइ.डी.सी.अेन्जीनीयरींग अेसोसीअेशन, (8)भगिनी सुशीलाबेन जाडेजा–प्रमुखश्री, राजपूत समाज महिला मंडळ, गांधीनगर ने अपनी संस्था की और से आदरणीय दादी रतनमोहिनीजी (डॉक्टरेट डीग्री), राजयोगीनी सरलादीदीजी (अमृत महोत्सव) और कैलाशदीदी (३५वां वार्षिकोत्सव) का हार, मोमेन्टो तथा शाल से अभिवादन–स्वागत किया गया । जबकी श्री महेन्द्रसिंह राणा–मेयरश्री ने महानगर पालिका,गांधीनगर की ओर से हार, मोमेन्टो, शाल तथा प्रमाण पत्र से स्वागत करते हुअे अपने वक्तव्य में संस्था के कार्यकी सराहना की और अपने पिछले 35 साल से संस्था के साथ के सबंधो– अनुभवों की याद ताजी की । बी.के.शारदाबेनने बडी बखुबी से मंचका संचालन किया । इस सभा से 5,000 जितने वीआइपीज अेवम सन्मानितो के संबधी आदि लाभांवित हुअे ।